प्रेस विज्ञप्ति

सर्व हिंद निजीकरण विरोधी फ़ोरम ("ऑल इंडिया फोरम अगेंस्ट प्राइवेटाइजेशन") की स्थापना सभा 04 जुलाई 2021 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई

रेलवे, रक्षा, बिजली, कोयला, पेट्रोलियम, बैंक, पोर्ट और डॉक जैसे सार्वजनिक क्षेत्र के मजदूरों का प्रतिनिधित्व करने वाले 41 राष्ट्रीय संघों (नेशनल फेडरेशन), यूनियनों और एसिओसेशनों के साथ-साथ महिलाओं और आम लोगों के संगठनों ने मिलकर, सर्व हिंद निजीकरण विरोधी फ़ोरम ["ऑल इंडिया फोरम अगेंस्ट प्राइवेटाइजेशन (एआईएफएपी)"] के बैनर तले, एक साथ आने का फैसला किया है। सर्व हिंद निजीकरण विरोधी फ़ोरम (एआईएफएपी) का उद्देश्य केंद्र सरकार की मजदूर-विरोधी, जन-विरोधी और देश-विरोधी निजीकरण की नीतियों का संयुक्त रूप से विरोध करना है। इन नीतियों का मकसद है - लोगों के पैसे से बनी सार्वजनिक संपत्ति को भारतीय और विदेशी दोनों बड़े इजारेदार कॉरपोरेट पूंजीपतियों को सौंप देना।

एआईएफएपी की एक ऐतिहासिक स्थापना सभा, 4 जुलाई 2021 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई। यह बैठक, डॉ ए मैथ्यू द्वारा संचालित की गई और इस में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए :

1. यह फ़ोरम, जनता के पैसे से बनी संपत्तियों के निजीकरण का पुरजोर विरोध करेगा। यह निजीकरण के खिलाफ सभी क्षेत्रों के मजदूरों के एकजुट संघर्ष को मजबूत करने के लिए काम करेगा और लोगों के बीच एक सांझी समझ निर्माण करने के लिए प्रयास करेगा कि सार्वजनिक क्षेत्र या सरकारी क्षेत्र का निजीकरण, कैसे मजदूर विरोधी, जन विरोधी और राष्ट्र विरोधी है। यह महिलाओं और युवाओं को इस सांझे संघर्ष में भाग लेने के लिए एक अनुकूल वातावरण बनाने के लिए काम करेगा।

2. एक वेबसाइट बनाई जाएगी जहां एआईएफएपी के सदस्य संगठनों के सभी संघर्षों के साथ-साथ फ़ोरम की अन्य गतिविधियों को भी पोस्ट किया जाएगा। विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं और आम मजदूरों को उनके अपने संघर्षों की रिपोर्ट एआईएफएपी को भेजने में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
3. एक मोबाइल ऐप भी बनाया जाएगा जिसके द्वारा एआईएफएपी वेबसाइट पर उपलब्ध सब जानकारी सभी लोगों और सभी मजदूरों के बीच आसानी से पंहुचाई जा सकेगी।
4. भारतीय मजदूर वर्ग के लिए इस तरह के फ़ोरम का निर्माण और विकास, इस वक्त की मांग थी और इसे मजबूत करने के लिए हर संगठन को काम करना चाहिए।
5. यह भी निर्णय लिया गया कि रक्षा, बीमा, बैंक और बिजली कर्मचारियों के चल रहे संघर्षों के समर्थन में एआईएफएपी के नाम से बयान तुरंत जारी किए जाएं।
6. बैठक के दौरान उपस्थित बिजली क्षेत्र से जुड़े मजदूर संगठनों ने आयुध-कारखानों के निगमीकरण की घोषणा के खिलाफ उनके संघर्ष में रक्षा क्षेत्र से जुड़े मजदूरों का पूरा समर्थन करने का संकल्प लिया।
7. उन्होंने कहा कि आवश्यक सेवा अधिनियम उन पर भी लागू होने के बावजूद, वे अक्टूबर 2020 में पूर्वांचल, यूपी में बिजली वितरण के निजीकरण को रोकने के लिए उत्तर प्रदेश में हड़ताल पर थे। बिजली कर्मचारियों के एकजुट संघर्ष ने योगी आदित्यनाथ सरकार को प्रस्तावित निजीकरण फैसले को वापस लेने के लिए मजबूर कर दिया।
8. यह निर्णय लिया गया कि फ़ोरम के गठन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और देश के सभी संगठनों को एआईएफएपी से जोड़ने का प्रयास किया जाए।

बैठक में इन अखिल भारतीय नेताओं ने भाग लिया:

• **श्री शिव गोपाल मिश्रा**, महासचिव, ऑल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन (एआईआरएफ), नेशनल कॉर्डिनेशन कमिटी ऑफ रेलवेमेन्स स्ट्रगल (एनसीसीआरएस) के संयोजक और नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) के संयोजक।

• **डॉ. एम. राघवैया**, महासचिव, नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन रेलवेमेन (एनएफआईआर), नेशनल कॉर्डिनेशन कमिटी ऑफ रेलवेमेन्स स्ट्रगल (एनसीसीआरएस) के सह-संयोजक और नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन (एनजेसीए) के अध्यक्ष।

• **श्री एस.एन. पाठक**, अध्यक्ष, अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) और **श्री शरद बोरकर**, संयुक्त सचिव, हिंद मजदूर सभा, मध्य प्रदेश।

• **श्री शैलेंद्र दुबे**, अध्यक्ष, ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ)।

• **श्री आर. के. त्रिवेदी**, अध्यक्ष और **श्री अभिमन्यु धनखड़**, महासचिव, ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ पावर डिप्लोमा इंजीनियर्स (एआईएफओपीडीई)।

• **श्री वी.वी. सत्यनारायण**, संयुक्त सचिव, हिंद मजदूर सभा (एचएमएस), विशाखापत्तनम पोर्ट एम्प्लौईज यूनियन (ऑल इंडिया पोर्ट एंड डॉक वर्कर्स फेडरेशन) विशाखापत्तनम।

• **श्री एस.पी. सिंह**, महासचिव, ऑल इंडिया गार्ड कौंसिल (एआईजीसी)।

• **श्री सुनील कुमार**, महासचिव, ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर्स एसोसिएशन (एआईएसएमए)।

• **श्री के.सी. जेम्स**, संयुक्त महासचिव, ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन (एआईएलआरएसए)।

• **श्री देवीदास तुलजापुरकर**, महासचिव, महाराष्ट्र स्टेट बैंक एम्प्लौईज फेडरेशन (एमएसबीईएफ)।

• **श्री कांथा राजू**, महासचिव, ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर्स यूनियन (एआरआरटीयू)।

• **श्री अमजद बेग**, केंद्रीय अध्यक्ष, और **श्री एन.आर. साई-प्रसाद**, केंद्रीय आयोजन सचिव, ऑल इंडिया पॉइंट्समैन एसोसिएशन (एआईपीएमए)।

• **डॉ. हेमंत सोनी**, महासचिव, ऑल इंडिया रेलवे टिकट चेकिंग स्टाफ और्गेनाईजेशन (आईआरटीसीएसओ)।

• **श्री संजय पांधी**, अध्यक्ष, इंडियन रेलवे लोको रनिंगमेन्स ऑर्गनाइजेशन (आईआरएलआरओ)।

• **डॉ. संजीवनी जैन**, अखिल भारतीय उपाध्यक्ष, लोक राज संगठन (एलआरएस)।

• **श्री एल.एन. पाठक**, महासचिव और **श्री रोहित मिश्रा**, आयोजन सचिव, रेल कोच फैक्ट्री (आर.सी.एफ.) मेन्स यूनियन, रायबरेली, उत्तर प्रदेश

• **श्री स्वपन कुमार लाहा**, महासचिव, चित्तरंजन रेलवेमेन्स कांग्रेस (सीआरएमसी), चित्तरंजन, पश्चिम बंगाल

• **श्री अरविंद क्र. श्रीवास्तव**, महासचिव, **डॉ. प्रदीप शर्मा**, अध्यक्ष और **श्री अरविंद प्रधान**, सहायक महासचिव, डीजल लोको वर्क्स (डीएलडब्ल्यू) मेन्स यूनियन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश,

• **श्री द्वारकानाथ एच.जी.**, कार्यकारी महासचिव, रेल व्हील फैक्ट्री कार्मिक संघ (आरडब्ल्यूएफकेएस), बैंगलोर,

• **डॉ. ए. मैथ्यू**, सचिव, कामगार एकता कमिटी।

• **श्री राजेश कुमार**, महासचिव, मेन्स कांग्रेस डीजल लोको वर्क्स (एमसीडीएलडब्ल्यू), वाराणसी, उत्तर प्रदेश

• **श्री किशोर नायर**, महासचिव, भारत पेट्रोलियम टेक्नीकल और नॉन-टेक्नीकल एम्प्लौईज एसोसिएशन (बीपीटीएनटीईए)-मुंबई रिफाइनरी।

• **श्री राम रतन सिंह**, महासचिव, रेल कोच फैक्ट्री मजदूर यूनियन (आरसीएफएमयू), कपूरथला,

• **श्री के. गोबीनाथ**, कार्यकारी महासचिव, इंटीग्रल कोच फैक्ट्री मजदूर संघ (आईसीएफएमएस), चेन्नई, तमिलनाडु

• **श्री के.एन. सत्यनारायण**, महासचिव, हिंदुस्तान पेट्रोलियम एम्प्लौईज यूनियन, विशाखापत्तनम

• **श्री नायब सिंह**, महासचिव, रेल कोच फैक्ट्री मेन्स कांग्रेस (आरसीएफएमसी), रायबरेली, उत्तर प्रदेश

• **श्री कृष्णा भोयर**, महासचिव, महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रीसिटी वर्कर्स फेडरेशन (एआईटीयूसी)।

• **सुश्री शीना अग्रवाल**, पुरोगामी महिला संगठन (पीएमएस)।

• **श्री विजय कुमार**, महासचिव, रेल व्हील फेक्ट्री (आर.डब्ल्यू.एफ.) मजदूर यूनियन, बंगलौर,

हस्तारक्षित

डॉ ए मैथ्यू,
"सर्व हिंद निजीकरण विरोधी फ़ोरम (एआईएफएपी)" के हेतु
05/07/2021